देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 15 अंक: 206 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

**विचार-प्रवाह...**तैयारी पर लगाना चाहिए

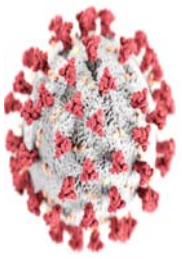

# पेज थ्री

देहरादून, बुधवार, 18 नवंबर 2020

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 14.0°

37244.59 | 2 समुद्र का राजा सी लॉयन | 5 कॉम्प्रोमाइज करने से इंकार किया: मंजरी

## संक्षिप्त समाचार

### स्पेशल सेल ने 2 संदिग्ध आतंकियों को किया गिरफ्तार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल ने बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए 2 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी सोमवार देर रात को हुई और फिलहाल इन दोनों संदिग्ध आंतकियों से पूछताछ चल रही है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि आखिर राजधानी दिल्ली में ये कौन सी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। बताया जा रहा है कि ये दोनों अपने कुछ अन्य साथियों के साथ दिल्ली में बड़ा आंतकी हमला करने की तैयारी में थे, लेकिन कहां? इसको लेकर पूछताछ जारी है। दिल्ली पुलिस ने इनके पास से 2 सेमी ऑटोमैटिक पिस्टल और 10 जिंदा कारतूस भी बरामद किया है।

### कैबिनेट की पहली बैठक के साथ काम पर नीतीश सरकार

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** पटना। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार का गठन हो गया। गठन के साथ ही काम शुरू कर रही सरकार की पहली कैबिनेट बैठक मंगलवार को हुई, जिसमें 23 नवंबर से विधानमंडल का पहला सत्र बुलाने पर सहमति बनी। बैठक में जीतन राम मांझी को प्रोटेम स्पीकर बनाने पर भी सहमति बनी। अब आगे पहले सत्र में प्रोटेम स्पीकर नए सदस्यों को शपथ दिलाएंगे।

### अमित शाह ने गुपकार गठबंधन को बताया गैंग

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)** नई दिल्ली। गुपकार गठबंधन पर केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने कड़ा प्रहार किया है। अमित शाह ने गुपकार को गैंग बताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी से सीधा सवाल पूछा है कि क्या वे इस गैंग का समर्थन करते हैं? शाह ने कहा कि गुपकार गैंग कश्मीर में विदेशी ताकतों का दखल चाहता है। अमित शाह ने ट्वीट कर कहा, गुपकार गैंग ग्लोबल हो रहा है। गुपकार गैंग भारत के तिरंगे का भी अपमान करता है।

# यूएनएससी में बदलाव जरूरी

## आतंकियों को समर्थन और सहायता देने वाले देशों को भी दोषी ठहराया जाए: पीएम मोदी

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। पीएम ने इस दौरान संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत अंतरराष्ट्रीय संगठनों में सुधार की पुरजोर मांग दोहराई। इसके अलावा उन्होंने आतंकवाद का समर्थन करने वाले देशों को दंडित किए जाने की जरूरत पर जोर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस दौरान रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की जमकर तारीफ की लेकिन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का उन्होंने जिक्र तक नहीं किया। पीएम के भाषण के दौरान जिनपिंग कैमरे के बजाय ज्यादातर वक्त अपने बायें तरफ देखते रहे।

संयुक्त राष्ट्र की इस वर्ष 75वीं वर्षगांठ का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि यूएन के मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता अडिग

### रूस के राष्ट्रपति पुतिन की तारीफ की, जिनपिंग का जिक्र नहीं

है। उन्होंने कहा, इस वर्ष संयुक्त राष्ट्र की स्थापना की भी 75वीं वर्षगांठ है। यूएन के एक संस्थापक सदस्य के रूप में भारत मल्टिलेटरलिजम का समर्थक रहता है। पीसकीपिंग ऑपरेशंस में सबसे अधिक वीर सैनिक भारत ने ही खोए हैं। पीएम मोदी ने भाषण की शुरुआत में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा, इस साल दूसरे विश्वयुद्ध की 75वीं वर्षगांठ पर वीरगति पाए सैनिकों को हम श्रद्धांजलि देते हैं।

आतंकवाद को विश्व की सबसे बड़ी समस्या बताते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आतंकवाद आज विश्व के सामने सबसे बड़ी समस्या है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि आतंकवादियों को समर्थन और सहायता देने वाले देशों को भी दोषी ठहराया जाए और इस समस्या का संगठित तरीके से मुकाबला किया जाए।

पीएम मोदी ने कहा कि कोविड के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था में रिकवरी में ब्रिक्स देशों का अहम योगदान होगा। उन्होंने कहा, कोविड के बाद की वैश्विक रिकवरी में ब्रिक्स इकॉनमीज की अहम भूमिका होगी। हमारे बीच विश्व की 42 प्रतिशत से अधिक आबादी बसती है। हमारे देश ग्लोबल इकॉनमी के मुख्य इंजन में से हैं। ब्रिक्स देशों के बीच आपसी व्यापार बढ़ाने का बहुत स्कोप है।

**कोरोना वैक्सीन पर दुनिया को फिर दिया भरोसा:** पीएम मोदी ने एक बार फिर दुनिया को भरोसा दिया कि भारत की वैक्सीन उत्पादन और डिलिवरी क्षमता पूरे विश्व में मानवता के हित में काम आएगी। उन्होंने कहा, भारत में हमने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत एक व्यापक रिफॉर्म प्रोसेस शुरू किया है। कोविड के दौरान भारतीय फार्मा उद्योग की क्षमताओं के कारण हम 50 से ज्यादा देशों को दवाएं भेज पाए।

### 75 वर्ष पुराने विश्व की मानसिकता में यूएन, सुधार जरूरी

संयुक्त राष्ट्र खासकर यूएनएससी में मौजूदा समय के हिसाब से बदलाव का मुद्दा उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज मल्टिलेटरल सिस्टम एक संकट के दौर से गुजर रहा है। ग्लोबल गवर्नेंस के संस्थानों की क्रेडिबिलिटी और इफेक्टिवनेस दोनों पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसकी वजह यह है कि इनमें समय के साथ उचित बदलाव नहीं आया है। ये अभी भी 75 साल पुराने के विश्व की मानसिकता और वास्तविकता पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, WTO, IMF, WHO जैसे संस्थानों में भी सुधार होना चाहिए।

# हमें सैन्य परम्परा एवं वीर सैनिकों पर गर्वः योगी

## सीएम त्रिवेंद्र और सीएम योगी ने बदरीनाथ के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की

**संवाददाता**

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को भगवान श्री बदरीनाथ के दर्शन एवं पूजा-अर्चना की। दोनों मुख्यमंत्रियों ने मंदिर के गर्भ गृह में भगवान विष्णु की अराधना की तथा राज्यवासियों एवं सभी देशवासियों की सुख-समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की। इसके पश्चात् उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने श्री बदरीनाथ में निर्मित होने वाले उत्तर प्रदेश के पर्यटक आवास गृह का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया। इसके उपरान्त दोनों मुख्यमंत्रियों ने भारत के अन्तिम गांव माणा, भीम पुल एवं सरस्वती पुल का भ्रमण भी किया। दोनों प्रदेशों के मुख्यमंत्री आईटीबीपी, सेना एवं बीआरओ

के जवानों से मिले व उनका हौंसला बढ़ाया। सेना के जवानों ने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत करते हुए भारत माता की जयकार के नारे लगाये। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सैन्य परम्परा एवं वीर सैनिकों पर गर्व है, जो भौगोलिक एवं मौसम की विपरीत परिस्थितियों का अदम्य साहस एवं वीरता के साथ सामना कर देश की सीमाओं की रक्षा में हर समय तत्परता से खड़े है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले तीन दिनों से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के साथ केदारनाथ एवं श्री बदरीनाथ जी के दर्शन करने का अवसर मिला।

**विस्तृत खबर पेज 8 पर...**

# दिल्ली के भीड़भाड़ वाले बाजारों में लग सकता है लॉकडाउन

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। भारत में कोरोना के मामले 88 लाख के पार हो चुके हैं। देश में अब तक इसकी वजह से 1 लाख 30 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। अच्छी बात यह है कि फिलहाल ऐक्टिव केसों की संख्या 5 लाख से कम है। आने वाले दिनों दिल्ली के प्रमुख बाजारों में एक बार फिर लॉकडाउन का नजारा देखने को मिल सकता है। इस दौरान लोगों को बाजार और मार्केट बंद मिलेंगी।

दरअसल, इस तरह का प्रस्ताव है कि अगर दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले और तेजी से बढ़े तो राजधानी के प्रमुख बाजारों को बंद किया जा सकता है। इस बाबत दिल्ली में सत्तासीन आम आदमी पार्टी सरकार ने एक प्रस्ताव केंद्र सरकार के पास भेजा है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल मंगलवार को डिजिटल पत्रकार वार्ता में बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों पर लगाम नहीं लगी तो दिल्ली के प्रमुख बाजारों को कुछ समय के लिए बंद किया जा सकता है।

### चिंता

- दिल्ली के सभी कंटेनमेंट जोन में हाउस टू हाउस सर्वे किया जाएगा

**भीड़भाड़ वाले बाजारों में लगेगा लॉकडाउन:** अरविंद केजरीवाल ने बताया कि केंद्र सरकार को भेजे प्रस्ताव में कहा गया है कि जिन बाजारों में भीड़भाड़ अधिक है। इसके साथ ही शारीरिक दूरी का पालन भी नहीं हो रहा है। दिल्ली सरकार ऐसे बाजारों में कुछ दिनों के लिए लॉकडाउन लगाना चाहती है। दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के पास प्रस्ताव भेजा है कि अगर किसी बाजार में लॉकडाउन लगाना पड़ता है तो इसकी इजाजत दिल्ली सरकार को दी जाए। अभी किसी राज्य सरकार के पास लॉकडाउन लगाने का अधिकार नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि कोरोना संक्रमण से मुक्त होने वालों की संख्या कोरोना के नए मामलों की तुलना में लगातार बढ़ रही है। कोरोना के नए मामलों में लगातार गिरावट आ रही है।

*Are you Planning to make a Website or already have ?*
*If yes, then we are here to serve you*

What we do

**Website Development**
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

**Promotion & Branding**
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

**Search Engine Optimisation**
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
**Gadoli Media Ventures**
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. | Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

# अरब सागर में उतरी चार देशों की सेनाएं

**एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)**

नई दिल्ली। मंगलवार से शुरू हुआ मालाबार युद्धाभ्यास का दूसरा चरण 20 नवंबर तक चलेगा। 13 साल बाद चारों देशों की नौसेनाएं पहली बार किसी महा नौसैनिक अभ्यास में एक साथ हिस्सा ले रही हैं। इसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में विस्तारवादी चीन के लिए बड़ा संदेश माना जा रहा है। युद्धाभ्यास के दूसरे चरण के पहले दिन

### दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत भी ले रहा हिस्सा

इंडियन नेवी का विक्रमादित्य विमानवाहक पोत, अमेरिकी विमान वाहक पोत निमित्ज और ऑस्ट्रेलिया और जापान की नौसेना की अग्रिम मोर्चो पर तैनात पोतों ने जटिल अभ्यास में हिस्सा लिया।

इस युद्धाभ्यास में परमाणु ईंधन से संचालित यूएसएस निमित्ज के नेतृत्व में अमेरिकी हमलावर समूह हिस्सा ले रहा है। यूएसएस निमित्ज दुनिया का सबसे बड़ा युद्धपोत है। यह युद्धक समूह विशाल नौसेना बेड़ा है जिसमें विमान वाहक पोत के साथ-साथ बड़ी संख्या में डेस्ट्रॉयर, फ्रिगेट और अन्य पोत शामिल हैं। युद्धाभ्यास विस्तारवादी चीन को एक तरह से कड़ा संदेश है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में उसका कोई भी दुस्साहस महंगा पड़ेगा।